उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में IQAC की भूमिका

Anju Sharma
[1]Assistant Professor, Department of Hindi,
Sanatan Dharma College, Ambala Cantt

सारांश-

मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ कीदीर्घकालीन गुणवत्ता मानकों को आगे बढ़ाने में एक बड़ा कदम है ।किसी भी संस्थान में IQAC एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निकाय है जो सभी गुणवत्ता मामलों के लिए जिम्मेदार होता है किसी संस्थान या कॉलेज में दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आवश्यक विभिन्न विधियों को आरंभ,योजना और पर्यवेक्षण करना IQAC की प्रमुख जिम्मेदारी है।शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन में गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में IQAC की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है और इसलिए वर्तमान शोध आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की सटीक स्थिति और कार्यप्रणाली और उसके परिणाम को निर्धारित करने के लिए छोटे पैमाने पर किया जाता है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ(IQAC) एक संरचना है जो शैक्षणिक संस्थानों को उनकी कार्य प्रक्रियाओं में सुधार करने और सीखने के परिणामों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी।IQAC केवल एक समिति नहीं है यह एकसहभागी और सुविधाजनक इकाई है जो सर्वोत्तम संभव रणनीतियों की योजना बनाने के लिए संकाय सदस्यों के साथ मिलकर काम करेगी।

IQAC का उद्देश्य

IQAC का मुख्य उद्देश्य है उच्च शिक्षा की गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य है एक सुसंगत कार्ययोजना पेश करना है जो संगठन को प्रगति की ओर ले जाएगा। इसके लिए रणनीति तैयार करना आवश्यक है-

- कुशल और समय पर कार्य प्रक्रियाएं
- अकादमिक अनुसंधान और कार्यक्रम
- अभिनव दृष्टिकोण

ISBN: 978-81-955611-4-8

- शिक्षा के आधुनिकरण के लिए आईसीटी का उपयोग
- गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सर्वोत्तम मूल्यांकन प्रक्रिया
- लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सर्वोत्तम आधारभूत संरचना सुनिश्चित करना।

इस प्रकार,IQAC इन सभी संभावित पहलुओं पर विचार करता है जो छात्रों के साथ-साथ संस्थानों पर शिक्षण-अधिगम के सकारात्मक प्रभाव लाने की शक्ति रखते हैं। मूल्यांकन, मूल्यांकन और सुधार सरल कदम लग सकते हैं लेकिन निरंतर प्रदर्शन करने पर खेल में बदल सकते हैं। IQAC एक प्रशासनिक गुणवत्ता निगरानी निकाय के रूप में कामकाज की जांच करता है।

परिकल्पना

कॉलेज/संस्थान में स्थापित आइक्यूएसी शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन जैसी गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है आइक्यूसी के बिना मान्यता प्राप्त कॉलेज/संस्थान में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रणाली का प्रबंधन करना कठिन हो जाता है

IQAC के कार्य

- IQAC जो एक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ से अपेक्षित है निरंतर कार्य के साथ गुणवत्ता मानकों को स्थापित करता है।
- शैक्षणिक और गैर- शैक्षणिक सीखने के लक्ष्योंतक पहुंचने के लिए मानदंड बनाता है।
- छात्र -केंद्रित शिक्षण अधिगम वातावरण बनाने और शिक्षा में नवीनतम उपकरणों का कुशलता पूर्वक उपयोग करने के लिए संकायको सक्षम बनाना।
- सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के वातावरण के लिए विभिन्न कार्यशालाओंऔरसंगोष्ठीयों का आयोजन।
- कालानु क्रमिकक्रम में सभी गतिविधियों का दस्तावेजी करण करना और सुधारों पर नजर रखना।
- नैकके लिए १००% सटीक एमआईएस रिपोर्ट तैयार करना।
- राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रमाणनपरिषद् के निर्देशों के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट तैयार करना और जमा करना।

  उपयुक्त कार्यों को सही ढंग से किया जाता है IQAC दिए गए पदानुक्रम का पालन करके कार्य करता है-

ISBN: 978-81-955611-4-8

- शैक्षणिक संस्थान के प्रमुख-अध्यक्ष
- संकाय सदस्यों के प्रतिनिधि
- प्रबंधन प्राधिकरण
- वरिष्ठ प्रशासनिक कर्मचारी सदस्य
- नामांकित व्यक्ति-छात्र,स्थानीय समाज,पूर्व छात्र।
- नामांकित व्यक्ति-नियोक्ता, हित धारक, उद्योगपति।
- IQAC के समन्वयक या निर्देशक के रूप में प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ शिक्षक
- IQAC समन्वयक की भूमिका
- IQAC के सह-समन्वयक**जहाज के कप्तान** होंगे। इसके कई कारण है-उसके पास वर्षों का अनुभव होगा, वह संस्थान में पूर्णकालिक कार्यकर्ता होगा, कार्य प्रक्रियाओं के प्रति एक जिम्मेदार दृष्टिकोण होगा और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह NAAC प्राप्त करने के लक्ष्य पर काम करेगा।

अतः IQAC सह-समन्वयक की भूमिका समिति के सभी सदस्यों में सबसे महत्वपूर्ण है

IQAC के प्रमुख कर्तव्य

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रमुख कर्तव्य है जो संस्थान को उनकी प्रक्रिया में सुधार करने में सहायता करते हैं-

- **प्रभावी नेतृत्व**
- **विकेंद्रीकरण का अभ्यास करें और प्रबंधन में भाग ले**
- **परिप्रेक्ष्य/रणनीति योजना**
- **संगठनात्मक संरचना**
- **प्रशासनिक सेटअप और ई-गवर्नेस**
- **विभिन्न निकायों/प्रकोष्ठ/समितियों की प्रभावशीलता**
- **वित्तीय सहायता**
- **व्यावसायिक विकास**

ISBN: 978-81-955611-4-8

- **सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतरगतिविधियां**
- **अकादमिक प्रशासनिक लेखा परीक्षा**
- **विभिन्न प्रत्यायन और रैंकिंग में भागीदारी**

NAAC प्रत्ययन प्रक्रिया में IQAC के लाभ

१. **सर्वोत्तम अभ्यास-** IQAC कार्य प्रक्रियाओं की स्पष्टता सुनिश्चित करता है और हित धारकों को वर्तमान कार्य प्रक्रियाओं पर पुनः विचार करने में सक्षम बनाता है।

२. **गुणवत्ता संस्कृति का आंतरिक करण-** निरंतर मूल्यांकन पैटर्न उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संस्कृति का आंतरिक करण करना संभव बनाता है।

३. **विभागों का बेहतर सहयोग-** IQAC एचबीआई के विभिन्न विभागों के बीच बेहतर सहयोग सुनिश्चित करता है और हित धारकों से लगातार मूल्यांकन और फीडबैक के साथ संचार अंतराल को समाप्त करता है।

४. **उच्च शिक्षा संस्थानों के कामकाज में सुधार-** पारदर्शिता और आंकलन की एक बड़े स्तर के साथ, संस्थान बेहतर निर्णय लेने और अपने समग्र कामकाज में सुधार करने में सक्षम है।

५. **उचित दस्तावेजीकरण-** आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ संकाय को सही तरीके से प्रमाणिक दस्तावेज तैयार करने और NASमूल्यांकन प्रक्रिया में भविष्य के संदर्भ के लिए उनके रिकॉर्ड रखने की अनुमति देता है।

६. **अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित-** आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ HEI को अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान देने और शिक्षकों को सशक्त बनाकर भविष्य के लिए तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

७. **अधिक पारदर्शिता-** IQAC टीम सभी दस्तावेजों, साक्षी और तथ्यों का सत्यापन करती है और HEI के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करती है।

८. **परियोजना आधारित और सेवा आधारित शिक्षा-** परियोजना आधारित शिक्षा के साथ-साथ सेवा आधारित शिक्षा को शामिल कर के छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान का मूल्य सिखाया जाता है।

९. **पेशेवर व्यवहार-** बच्चों को अकादमिक रूप से विकसित करने के साथ-साथ कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ समूह पेशेवर विशेषज्ञों के विभिन्न कार्यक्रम और व्याख्यान आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

ISBN: 978-81-955611-4-8

१०. **वैश्विक मंच-** पारंपरिक शिक्षण शिक्षण संस्कृति के विपरीत IQAC छात्रों को स्थानीय रूप से सोचें-विश्व स्तर पर कार्य करें मानसिकता को वितरित करके एक वैश्विक मंच प्रदान करने का प्रयास करता है।

IQAC की कुछ सिफारिशें जिन्हेंप्रशासी निकाय द्वारा अनुमोदित किया गया है:

- दोनों भवनों के प्रत्येक तल में छात्र कैंटीन और कॉमन रूम, छात्र और स्टाफ शौचालय का नवीनीकरण।
  महाविद्यालयऔरमहाविद्यालयकीवेबसाइटमेंकम्प्यूटरसुविधाओंकेउन्नयनकेलिएआईसी टीउप-समितिकागठनकरना।
- सभी विभागों में शिक्षण और सीखने के आधुनिक तरीकों का अनुकूलन और एकीकरण।
- अर्ध स्वायत्तता की ओर केंद्रीय पुस्तकालय का उन्नयन।
- जर्नल और ई-जर्नल प्रोक्योरमेंट।
- सभी विज्ञान प्रयोगशालाओं के लिए आधुनिक और आवश्यक उपकरणों का विस्तार, नवीनीकरण और खरीद।
- भौतिकी, गणित और सांख्यिकी, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल, पत्रकारिता और जनसंचार और वाणिज्य जैसे कंप्यूटर अनुप्रयोग आधारित विषयों के लिए अलग कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ।
- पारदर्शी और प्रौद्योगिकी उन्मुख प्रवेश प्रक्रिया।
- कार्यालय के काम के लिए मौजूदा सॉफ्टवेयर और लैन का उन्नयन।
- वाई-फाई परिसर।
- संकाय द्वारा अनुसंधान और प्रकाशन को बढ़ावा देना।
- विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा देना।
- आईसीटी क्लब और ईसीओ क्लब का गठन।
- एनएसएस गतिविधियों का परिचय।
- कॉलेज की एनसीसी इकाई का पुनरुद्धार।
- प्लेसमेंट सेल, एंटी-रैगिंग सेल, शिकायत सेल, एंटी-यौन उत्पीड़न सेल, महिला सेल जैसे विभिन्न सेल का गठन।

ISBN: 978-81-955611-4-8

IQAC के द्वारा लागू किए गएनिर्णय:

छात्र और पूर्व छात्र IQAC के प्रभावी कामकाज में योगदान करते हैं:

छात्र सक्रिय शिक्षार्थियों की भूमिका निभाते हैं जो उनकी आवश्यकताओं और आवश्यकताओं के अनुसार सिस्टम बनाने में मदद करते हैं। वे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, परीक्षा प्रणाली, पुस्तकालय सेवाओं, अवकाश या कैंटीन सेवाओं आदि जैसी दिन-प्रतिदिन की सुविधाओं में सुधार के बारे में सुझाव देते हैं। उन्हें नोटिस और घोषणाओं के माध्यम से आईक्यूएसी द्वारा उनके कल्याण के लिए लिए गए निर्णयों या नीतियों के बारे में भी सूचित किया जाता है।जहां तक कॉलेज के पूर्व छात्रों का संबंध है, आईक्यूएसी उन्हें कॉलेज के कार्यक्रम में शामिल करने के लिए विशेष प्रयास करता है।

आईक्यूएसी संस्था के विभिन्न घटकों के कर्मचारियों को निम्न द्वारा संवाद और संलग्न करता है:

सभी हितधारकों के प्रतिनिधि- शिक्षक, छात्र, गैर-शिक्षण कर्मचारी, पूर्व छात्र संघ और शासी निकाय IQAC टीम में मौजूद हैं जो अपनी राय देते हैं और अपने संबंधित समुदायों को IQAC के कार्य, योजना और गतिविधियों से अवगत कराते हैं।

आईक्यूएसी की सभी प्रमुख रणनीतियां संकाय सदस्यों के परामर्श से तैयार की जाती हैं और विभिन्न योजनाओं के निष्पादन के समय, स्टाफ सदस्यों और छात्रों को आम तौर पर विश्वास में लिया जाता है। चूंकि वे बीजारोपण, रोपण और खेती की प्रक्रिया से आईक्यूएसी के साथ हैं, यह संघ कॉलेज के प्रभावी कामकाज में योगदान देता है।

संस्थान शैक्षणिक प्रावधानों और उसके परिणामों की अकादमिक लेखा परीक्षा या अन्य बाहरी समीक्षा करता है:

संस्थान अकादमिक लेखा परीक्षा करता है। आईक्यूएसी इंटरनल ऑडिट टीम और कॉलेज की अकादमिक उपसमिति द्वारा गहन विश्लेषण के बाद, उपलब्धियों के ग्राफ को बढ़ाने और क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए रणनीतियां विकसित की जाती हैं।

परिणाम – जैसे छात्र सेवन, परिणाम, अनुसंधान आदि का विश्लेषण किया जाता है और संस्था की बेहतरी के लिए संस्थागत गतिविधियों के लिए पर्याप्त उपाय किए जाते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए कई बार बुनियादी ढांचे में नए परिवर्धन किए जाते हैं। हर विभाग छात्रों के लाभ के लिए उपकरण, किताबें, जर्नल, सॉफ्टवेयर जोड़ता रहता है।

अकादमिक कैलेंडर और शिक्षण योजना: शैक्षणिक कैलेंडर में शिक्षण योजना का विस्तृत लेआउट पेश किया जाता है। योजनाएं आम तौर पर आंतरिक परीक्षाओं को पूरा करने, फॉर्म भरने और विश्वविद्यालय परीक्षा शुरू करने के लिए समय सारिणी को उजागर करती हैं। यह छात्रों को शैक्षणिक कार्यक्रम और

ISBN: 978-81-955611-4-8

परीक्षा की संभावित तिथियों आदि के बारे में जानने में सक्षम बनाता है। इसके अलावा, शिक्षकों को शिक्षण – सीखने की प्रक्रिया के लिए समय सीमा पता होगी और पाठ्यक्रम को पूरा करने और संभावित संशोधन के लिए पूरा ध्यान सुनिश्चित करना होगा।

शैक्षणिक कैलेंडर, इंटरएक्टिव और निर्देशात्मक तकनीकों जैसे शिक्षण के ऑडियो-विजुअल मोड, आईसीटी आधारित शिक्षण, अन्य कॉलेजों और विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार, वाद-विवाद, व्याख्यान, अंतर-विभागीय व्याख्यान विनिमय, और प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा दृष्टिकोण . इसके साथ प्रायोगिक शिक्षण जैसे परियोजना-आधारित शिक्षा, क्षेत्र कार्य, सर्वेक्षण, प्रयोग और व्यावहारिक कक्षाएं आदि शामिल हैं।

मूल्यांकन विधियों और परीक्षा कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रोस्पेक्टस में दी गई है जो छात्रों को उनके प्रवेश के समय और एक सत्र की शुरुआत में अकादमिक कैलेंडर में भी प्रदान की जाती है।

प्राचार्य नियमित रूप से विभिन्न विभागों के प्रमुखों से मिलते हैं और प्रत्येक विभाग की शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की प्रगति पर उनकी प्रतिक्रिया मांगते हैं।

इस प्रकार, शिक्षण-अधिगम-मूल्यांकन की व्यवस्थित योजना, संगठन और कार्यान्वयन विश्वविद्यालय अनुसूची की कुल योजना के भीतर संभव है। यह तर्कसंगत, यथार्थवादी और वैज्ञानिक है।

संस्थान अपनी गुणवत्ता आश्वासन नीतियों, तंत्रों और परिणामों को विभिन्न आंतरिक और बाहरी हितधारकों के माध्यम से संप्रेषित करता है:

नियमित अधिसूचना।

छात्रों और उनके माता-पिता को छात्रों की प्रगति के बारे में बताया जाता है।

विवरणिका में विस्तृत जानकारी दी गई है।

संस्थागत आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से: www.surendranathcollege.org

गुणवत्ता आश्वासन के संबंध में नीतियों और योजनाओं को सत्र की शुरुआत में संकाय सदस्यों, विशेष रूप से नव नियुक्त लोगों को सूचित किया जाता है।

विभिन्न उप-समितियों की बैठकों और शिक्षक परिषद, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों के साथ बैठकों में गुणवत्ता आश्वासन के संबंध में नीतियों और योजनाओं का भी संचार किया जाता है।

गुणवत्ता आश्वासन के संबंध में नीतियों और योजनाओं के बारे में विश्वविद्यालय, राज्य सरकार, यूजीसी और एनएएसी को वार्षिक रूप से प्रस्तुत विभिन्न रिपोर्टों के माध्यम से सूचित किया जाता है। [वार्षिक अकादमिक रिपोर्ट, प्रदर्शन विवरण और वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट।

ISBN: 978-81-955611-4-8

मानवीय प्रयास के अन्य क्षेत्रों में विकास के साथ तालमेल रखने के लिए, उच्च शिक्षा संस्थानों को अपने विद्यार्थियों को अत्याधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रदान करके उनके सीखने के अनुभवों को समृद्ध करना होगा। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए परिसर समुदाय को पर्याप्त रूप से तैयार होना चाहिए।इससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है और आइक्यूएसी जो एक प्रशासनिक निकाय है वह इन सभी गुणवत्ता मामलों के लिए जिम्मेदार होता है आइक्यूएसी किसी संस्थान या कॉलेज में दी जाने वाली उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए आवश्यक विभिन्न गतिविधियों को आरंभ, योजना , पर्यवेक्षण करना यह सब आइक्यूसी की ही जिम्मेदारी हैराष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक मान्यता प्राप्त संस्थान को एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) को मान्यता के बाद गुणवत्ता निर्वाह उपाय के रूप में स्थापित करता है।मूल्यांकन एवं प्रत्यायन को मूलतः किसी भी शैक्षिक संस्था की 'गुणवत्ता की स्थिति' को समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। वास्तव में यह मूल्यांकन यह निर्धारित करता है कि कोई भी शैक्षिक संस्था या विश्वविद्यालय प्रमाणन एजेंसी के द्वारा निर्धारित गुणवत्ता के मानकों को किस स्तर तक पूरा कर रहा है

शैक्षिक प्रक्रियाओं में संस्था का प्रदर्शन, पाठ्यक्रम चयन एवं कार्यान्वयन, शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन तथा छात्रों के परिणाम, संकाय सदस्यों का अनुसंधान कार्य एवं प्रकाशन, बुनियादी सुविधाएँ तथा संसाधनों की स्थिति, संगठन, प्रशासन व्यवस्था, आर्थिक स्थिति तथा छात्र सेवाएँ इत्यादि। इस कार्य में आइक्यूएसी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।विकास और गुणवत्ता मानक / संस्था के विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए मापदंडों के आवेदन; सहभागी शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया के लिए आवश्यक ज्ञान और प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए एक learner- केंद्रित पर्यावरण अनुकूल गुणवत्ता की शिक्षा और शिक्षकों के परिपक्वता की रचना की सुविधा; छात्रों, अभिभावकों और अन्य हितधारकों गुणवत्ता-संबंधित संस्थागत प्रक्रियाओं से प्रतिक्रिया प्रतिक्रिया के लिए व्यवस्था; उच्च शिक्षा के विभिन्न गुणवत्ता के मानकों के बारे में जानकारी का प्रसार; अंतर और इंट्रा संस्थागत कार्यशालाओं, गुणवत्ता से संबंधित विषयों और गुणवत्ता हलकों को बढ़ावा देने पर सेमिनार का संगठन; गुणवत्ता में सुधार करने के लिए अग्रणी वि भिन्न कार्यक्रमों / गतिविधियों के प्रलेखन; गोद लेने और सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रचार-प्रसार सहित गुणवत्ता से संबंधित गतिविधियों के समन्वय के लिए संस्था की एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना; / बनाए रखने संस्थागत गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य के लिए एमआईएस के माध्यम से विकास और संस्थागत डेटाबेस के रखरखाव; संस्था में गुणवत्ता की संस्कृति का विकास; वार्षिक क्वालिटी एश्योरेंस रिपोर्ट दिशा निर्देशों और एनएएसी के मापदंडों के अनुसार (AQAR) की तैयारी एनएएसी के लिए प्रस्तुत किया जाना है।

ISBN: 978-81-955611-4-8

सहायक ग्रंथ सूची

१. राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान, बैंगलोर-560072।

2. Lakshmi, T.K.S. Rama, k, Hendrikz Johan(eds.) An Anthology of Best Practice s in Teacher Education. CoL and NAAC, Bangalore/Vancouver (E-print)

3. Quality Higher Education and Sustainable development, NAAC Decennial Lectures,2004.NAAC, Bangalore (E-print)

ISBN: 978-81-955611-4-8